सुमरेरा में बिजली संकट से हाहाकार

फसल के समय अंधेरे में डूबा गांव

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। ग्रामीण अंचलों में बिजली व्यवस्था किस कदर बदहाल है, इसका जीता-जागता उदाहरण सुमरेरा गांव में देखने को मिल रहा है। गांव में लंबे समय से गहराए बिजली संकट के कारण ग्रामीणों और किसानों में बिजली कंपनी

लाइनमैन और अधिकारियों की लापरवाही से किसानों में आक्रोश

के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि लाइनमैन से लेकर जिम्मेदार अधिकारी तक अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं और उनकी घोर लापरवाही का खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ रहा है।

फसल के पीक सीजन में बिजली गायब, सूखने की कगार पर फसलें : किसानों के लिए यह समय फसलों की सिंचाई का सबसे महत्वपूर्ण दौर है। ऐसे नाजुक समय पर गांव में

लाइट न होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली गुल रहने से खेतों में लगे पंप ठप पड़े हैं, जिससे सिंचाई का काम पूरी तरह प्रभावित हो गया है। अगर जल्द ही बिजली सप्लाई शुरू नहीं हुई, तो मेहनत से तैयार की गई फसलें सूख जाएंगी और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

लाइनमैनों की उदासीनता-शिकायत के बाद भी नहीं सुधर रही लाइन : ग्रामीणों ने बिजली विभाग के मैदानी अमले पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में तैनात लाइनमैन अपना काम ईमानदारी से नहीं कर रहे हैं। फॉल्ट आने या लाइन ट्रिप होने पर समय पर जांच और सुधार कार्य नहीं किया जाता। लाइनमैनों की इसी ढुलमुल कार्यशैली के कारण पूरा गांव कई-कई दिनों तक अंधेरे के साए में रहने को मजबूर है।

अधिकारियों की चुप्पी से बढ़ा ग्रामीणों का गुस्सा : ग्रामीणों के मुताबिक, इस गंभीर बिजली संकट को लेकर कई बार बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। अधिकारियों की इस उदासीनता और तानाशाही रवैये को लेकर अब ग्रामीणों का सब्र का बांध टूट रहा है।

ग्रामीणों की चेतावनी

एक तरफसरकार किसानों को पर्याप्त बिजली देने के दावे करती है, वहीं दूसरी तरफसुमरेरा गांव को अंधेरे में छोड़ दिया गया है। हमारी मांग है कि गांव की बिजली व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त किया जाए और काम में लापरवाही बरतने वाले लाइनमैन व कर्मचारियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। यदि जल्द ही सुचारू बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हुई, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी बिजली विभाग और प्रशासन की होगी।

मेडिकल स्टोर पर युवक को लगाया इंजेक्शन और ड्रिप

हालत बिगड़ने पर डॉक्टर ने घोषित किया मृत, थाने पहुंचे परिजन

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। श्योपुर जिला मुख्यालय से लापरवाही और नियमों को ताक पर रखकर इलाज करने का एक बेहद गंभीर और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ श्याम मेडिकल स्टोर पर एक युवक को इंजेक्शन और ड्रिप लगाने के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में जब युवक को डॉक्टर के पास ले जाया गया, तो डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से ही मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे न्याय की मांग को लेकर थाने में धरने पर बैठ गए हैं।

परिजनों का गंभीर आरोप-मेडिकल स्टोर की लापरवाही से गई जान : परिजनों ने श्याम मेडिकल स्टोर के संचालक पर सीधा और गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि युवक की तबीयत थोड़ी खराब थी, जिसके बाद वे उसे श्याम मेडिकल स्टोर लेकर पहुंचे थे। वहाँ बिना किसी डिग्री या डॉक्टर की पर्ची के, मेडिकल स्टोर पर ही युवक को इंजेक्शन लगाया गया और ड्रिप (बोतल) चढ़ा दी गई। ड्रिप लगने के कुछ ही देर बाद युवक की हालत अचानक और ज्यादा बिगड़ने लगी और देखते ही देखते वह अचेत हो गया। जब उसे अस्पताल ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत बता दिया।

मेडिकल स्टोर संचालक की घोर लापरवाही और बिना डॉक्टर के पर्ची के गलत इलाज करने की वजह से हमारे बच्चे की जान गई है। पीड़ित परिजनों का रोते हुए बयान।

थाने में बैठे परिजन, निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

युवक की मौत की खबर फैलते ही इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है। घटना से गुस्साए पीड़ित परिजन और स्थानीय लोग कोतवाली थाने पहुंचे और वहाँ धरने पर बैठ गए। परिजनों की मांग है कि आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफतत्काल हत्या या गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जाए और मेडिकल स्टोर को सील किया जाए।

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच शुरू

मामले की गंभीरता को देखते हुए श्योपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। बिना लाइसेंस या बिना डॉक्टर की सलाह के क्लीनिक की तरह इलाज करने के एंगल पर भी जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफसख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। श्योपुर में झोलाछाप और मेडिकल स्टोरों पर इस तरह अवैध रूप से इलाज किए जाने का यह कोई पहला मामला नहीं है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्योपुर विधायक बाबू जंडेल का मोबाइल हैक

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। डजिटल ठगी और साइबर क्राइम का जाल अब जनप्रतिनिधियों तक पहुंच चुका है। श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल का मोबाइल फोन साइबर

साइबर ठग मैसेज भेजकर लोगों से मांग रहे पैसे, विधायक ने जारी की अपील

हैकर्स द्वारा हैक किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। फोन हैक करने के बाद शातिर ठग विधायक के नाम पर उनके परिचितों और आम लोगों को मैसेज भेजकर पैसों की मांग कर रहे हैं। मामला सामने आते ही विधायक बाबू जंडेल ने क्षेत्र की जनता और अपने समर्थकों के लिए एक जरूरी अपील जारी की है।

विधायक के नाम पर पैसों की डिमांड : मिली जानकारी के अनुसार, हैकर्स ने विधायक बाबू जंडेल का मोबाइल नंबर या सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर उनके संपर्क सूची (कॉन्टैक्ट लिस्ट) में शामिल लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। हैकर्स द्वारा लोगों को मैसेज भेजकर किसी आपात स्थिति या मजबूरी का हवाला देते हुए तुरंत ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने को कहा जा रहा है। जैसे ही कुछ करीबियों को इस बात का शक हुआ, उन्होंने सीधे विधायक से संपर्क किया, जिसके बाद इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

मामले की गंभीरता को देखते हुए श्योपुर विधायक बाबू जंडेल ने तुरंत एक सार्वजनिक अपील और वीडियो/संदेश जारी कर लोगों को सचेत किया है। उन्होंने कहा मेरा मोबाइल फोन हैक हो गया है। हैकर द्वारा मेरे नंबर से लोगों को मैसेज भेजकर रुपयों की मांग की जा रही है। मेरी सभी क्षेत्रवासियों और मित्रों से हाथ जोड़कर अपील है कि यदि मेरे नंबर से पैसों की मांग का कोई भी मैसेज या कॉल आए, तो उस पर बिल्कुल भरोसा न करें। किसी भी तरह का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन (पैसों का लेनदेन) न करें। मैं किसी से कोई पैसा नहीं मांग रहा हूँ, यह साइबर ठगों की चाल है। इस मामले की शिकायत विधायक की ओर से स्थानीय पुलिस और साइबर क्राइम सेल को दे दी गई है। पुलिस अब उस तकनीकी रूट और बैंक खातों की जांच कर रही है, जिनके जरिए ठग पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहे हैं।

बेरहमी से धक्का मारकर बाहर निकलती नजर आई शिक्षिका

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। श्योपुर जिले से शिक्षा विभाग को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। नए शैक्षणिक सत्र के पहले ही दिन जहाँ बच्चों का स्कूलों में ढोल-

श्योपुर में हुआ वीडियो वायरल

नगाड़ों और तिलक लगाकर स्वागत किए जाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, वहीं श्योपुर में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल

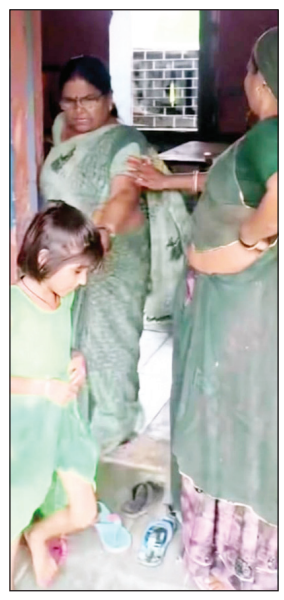

हो रहा है, जिसमें एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका मासूम बच्चों को बेरहमी से धक्का मारकर स्कूल के बाहर निकालती नजर आ रही हैं।

क्या है पूरा मामला : मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना श्योपुर जिले के एक सरकारी स्कूल की बताई जा रही है। वीडियो में साफदेखा जा सकता है कि स्कूल खुलने के पहले ही दिन किसी बात को लेकर विवाद हुआ या शिक्षिका का गुस्सा भड़क गया। इसके बाद शिक्षिका ने संवेदनशीलता की सारी हदें पार करते हुए मासूम छात्र-छात्राओं का हाथ पकड़कर और उन्हें धक्का देकर मुख्य दरवाजे से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

पहले ही दिन खुली शिक्षा की पोल, बच्चों को धक्का मारकर स्कूल के बाहर निकालती नजर आई शिक्षिका। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का दावा।

सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा : इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर आते ही हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि सरकार एक तरफ स्कूल चलें हम जैसे अभियानों पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, वहीं दूसरी तरफऐसे गैर-जिम्मेदार शिक्षकों के कारण बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है।

प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार

वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन हरकत में आता दिख रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों द्वारा जांच के आदेश दिए जाने की खबर है। हालांकि, अभी तक शिक्षिका पर क्या ठोस कार्रवाई हुई है, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इस खबर पर लगातार हमारी नजर बनी हुई है। जैसे ही प्रशासन का कोई आधिकारिक बयान या शिक्षिका पर कार्रवाई की रिपोर्ट आती है, आपको सबसे पहले अपडेट किया जाएगा।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर स्कूल रेडीनेस मेलों का आयोजन

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने

बच्चों के समग्र विकास के लिए सराहनीय पहल- प्रभारी कलेक्टर

दलारना बगीची आंगनबाडी केन्द्र पर आयोजित स्कूल रेडीनेस मेले के दौरान बच्चों के अभिभावको से संवाद करते हुए कहा कि रेडीनेस मेले बच्चों के समग्र विकास के लिए एक सराहनीय पहल है। इस पहल का उद्देश्य आंगनबाडी केन्द्रों के बच्चों को स्कूलों में प्रवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है, जिससे वे आंगनबाडी के उपरांत प्रायमरी विद्यालयों में औपचारिक शिक्षा की शुरूआत अच्छे तरीके से कर सकेंगे। इस अवसर प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के समन्वयक महेन्द्र यादव सहित आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका आदि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की साझेदारी में मध्यप्रदेश के श्योपुर जिला सहित भोपाल, रायसेन एवं टीकमगढ़ जिलों में समर कैम्प 2026 स्कूल के लिए तैयारी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के अंतर्गत आंगनवाड़ी से कक्षा-1 में प्रवेश लेने वाले 5 से 6 आयु वर्ग के बच्चों को विद्यालयीन शिक्षा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के सभी 1254 आंगनबाडी केन्द्रों पर द्वितीय स्कूल रेडीनेस मेलों का आयोजन किया गया। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के समन्वयक महेन्द्र यादव ने बताया कि आंगनबाडी केन्द्रो पर आयोजित द्वितीय स्कूल रेडीनेस मेलों के माध्यम से 16 हजार बच्चों का पुर्न मूल्याकंन किया गया, इन कार्यक्रमों में 10 हजार के लगभग अभिभावकों ने सक्रिय सहभागिता की गई।

पेड़ से लटका मिला प्रेमी युगल का शव

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ प्रसिद्ध सिद्ध पहाड़ी के जंगलों में एक प्रेमी युगल (प्रेमी-प्रेमिका) का शव पेड़ से लटका

इलाके में फैली दहशत, पुलिस जांच में जुटी

हुआ मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही विजयपुर थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

जंगल में लकड़ी काटने गए ग्रामीणों ने देखा शव : मिली जानकारी के अनुसार, विजयपुर के पास स्थित सिद्ध पहाड़ी के जंगलों में जब कुछ ग्रामीण गए, तो उन्होंने पेड़ से दो शवों को लटके हुए देखा। शवों को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना गांव के अन्य लोगों और विजयपुर पुलिस को दी। मृतकों की पहचान और वे कहाँ के रहने वाले थे, इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

शुरुआती तौर पर मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है,

पुलिस का क्या कहना है

विजयपुर थाना पुलिस के मुताबिक शवों को कब्जे में लेकर शिनाख्त (पहचान) के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। आस-पास के थानों और गांवों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाली जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों और समय का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। सिद्ध पहाड़ी पर हुई इस खौफनाक घटना के बाद से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की गहराई से जांच कर रही है।

जिसमें दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठाया। हालांकि, पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल्स से जांच कर रही है।

मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। घटनास्थल पर सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया जा रहा है ताकि मौत के असली कारणों का बारीकी से पता लगाया जा सके।

प्रतिबंध के बावजूद मछली बेचने पर प्रशासन सख्त

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। (मध्य प्रदेश) मछलियों के प्रजनन काल (ब्रीडिंग सीजन) को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मत्स्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। श्योपुर कलेक्टर

50 किलो मछली जब्त कर वसूला जुर्माना

शीला दाहिमा के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए विभागीय टीम ने 50 किलोग्राम अवैध मछली जब्त की है। इसके साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर 5,500 रुपये का चालान काटकर राजस्व विभागीय मद में जमा कराया गया है।

प्रजनन काल के कारण 15 अगस्त तक है रोक : मत्स्योद्योग विभाग के सहायक संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि मानसून के इस मौसम में मछलियों का प्रजनन काल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा पूरे जिले में मत्स्याखेट (मछली पकड़ने) और उनके क्रय-विक्रय (बेचने और खरीदने) पर आगामी 15 अगस्त तक पूरी तरह रोक लगाई गई है। इस प्रतिबंध का उद्देश्य जल स्रोतों में मछलियों के वंश और जैव विविधता को सुरक्षित रखना है।

नहर किनारे और मछली बाजार में हुई कार्रवाई : प्रतिबंध के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए मत्स्य विभाग की टीम लगातार निरीक्षण कर रही है। इसी दौरान टीम ने नहर किनारे स्थित सलापुरा और श्योपुर के मुख्य मछली बाजार में औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के डर से कारोबारी मछलियां छोड़कर भाग खड़े हुए, जिसके बाद टीम ने वहां से करीब 50 किलो लावारिस मछली जब्त की।

वीबी जी राम जी योजना का शुभारंभ ग्रामीण रोजगार की नई गारंटी

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 2 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी जी राम जी योजना के शुभारंभ अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम निषादराज भवन जिला पंचायत परिसर श्योपुर में आयोजित हुआ।

निषादराज भवन में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

आंध्रप्रदेश के तिरुपति जिले के मुक्कावरिपल्ली में आयोजित राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ। राष्ट्रव्यापी शुभारंभ अवसर पर केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चन्द्रबाबू नायडू, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार चन्द्रशेखर पेम्मासानी एवं कमलेश पासवान तथा आंध्रप्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण मौजूद रहें।

निषादराज भवन जिला पंचायत परिसर श्योपुर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के अवसर पर प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक भूषण, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय एवं बृजराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नीरज जाट, परियोजना अधिकारी विक्रम जाट सहित पंचायत प्रतिनिधि, विभिन्न पंचायतों के सरपंचगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीईओ जनपद श्योपुर एसएस भटनागर द्वारा किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात् ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि वीबी जी राम जी योजना के तहत एक वर्ष में ग्रामीण रोजगार की 125 दिवस रोजगार की गारंटी दी गई है। इस योजना में भुगतान को समयबद्ध और पारदर्शी बनाया गया है। इस योजना में 4 प्रकार के कार्यो के क्रियान्वयन का प्रावधान किया गया है, जिसमें 313 प्रकार के कार्य शामिल है। उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत जल सुरक्षा से संबंधित 107 प्रकार के विभिन्न कार्य किये जा सकेंगे, कोर रूरल इंफ्रास्ट्रेक्चर से संबंधित 90 प्रकार के ग्रामीण आजीविका से संबंधित 86 प्रकार के तथा विभिन्न प्रकार की आपदाओं के समय राहत पहुंचाने हेतु 35 प्रकार के कार्यो को शामिल किया गया है।

रेत के खिलाफ पुलिस ओर वन विभाग की संयुक्त कार्यवाही

नवभारत न्यूज

सबलगढ़, 2 जुलाई। नगर में आज तीन स्थानों पर रेत डलवाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ओर बन विभाग ने कार्यवाही कर रेत को जप्त कर रेत खरीदने वाले तीन व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

नगर भ्रमण के दौरान आज थाना प्रभारी पंकज मुद्गल द्वारा तीन जगह पर चंबल रेत घर के सामने डला हुआ पाया अशोक मंगल गुरूकृपा गार्डन के पास पुरन बंसल जावरोल वाले बस स्टैंड के पास एवं पद्माकर देवस्थले सिनेमा टॉकीज के सामने के यहाँ से चंबल का रेत जप्त कर वन विभाग के आवेदन पर कार्यवाही की जा रही है

इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज मुद्गल ने बताया कि चम्बल का रेत बेचना ओर खरीदना दोनों ही अपराध की श्रेणी में आते हैं चंबल का रेत खरीदना भी अपराध है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा चंबल के रेत पर रोक लगाई गई है इसलिए जहां भी रेत डला पाया जाएगा उन व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी ओर यह पता लगाया जायेगा कि चम्बल का रेत किस ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा डाला गया है उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी